दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

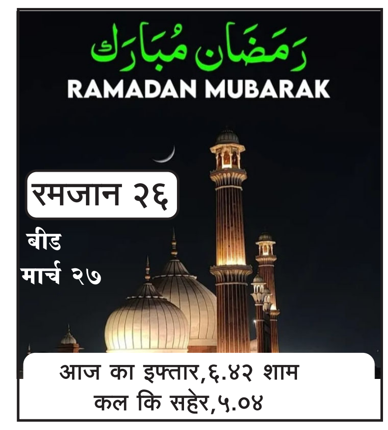

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२३३ वा | गुरूवार २७ मार्च २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

संतोष देशमुख की हत्या एक बड़े षड्यंत्र का नतीजा

वाल्मीकि कराड़ कि अहम भूमिका-उज्वल निकम

बीड, २६ मार्च (प्रतिनिधि) - मस्साजोग के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में बुधवार (२६ मार्च) को बीड न्यायालय में सुनवाई हुई। इस दौरान वरिष्ठ सरकारी वकील ॲड. उज्वल निकम ने पक्ष रखा और कोर्ट में बताया कि इस पूरी घटना का मार्गदर्शन वाल्मीकि कराड ने किया। उन्होंने कहा कि कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) से यह स्पष्ट हुआ है कि इस हत्याकांड को अंजाम देने में वाल्मीकि कराड की अहम भूमिका रही।

सुनवाई के दौरान सभी आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के बाद ॲड. उज्वल निकम ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि संतोष देशमुख हत्या प्रकरण में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई की गई है। हालांकि, एक आरोपी कृष्णा आंधळे अब भी फरार है।

निकम ने दावा किया कि यह हत्या एक बड़े षड्यंत्र का परिणाम है और इस साजिश की पूरी योजना किस प्रकार बनाई गई, इसकी जानकारी उन्होंने तारीखवार अदालत को दी है। उन्होंने कहा कि हमारे पास प्रत्येक तारीख की घटना के सबूत मौजूद हैं। विशेष रूप से जब वाल्मीकि कराड ने धमकी दी, तो उसके अनुसार गैंग लीडर सुदर्शन घुले भी मौके पर पहुंचा और उसने भी धमकी दोहराई। इस संबंध में हमारे पास वीडियो और ऑडियो रिकॉर्डिंग मौजूद हैं।

निकम ने बताया कि यह साजिश दो या उससे अधिक लोगों द्वारा रची गई थी और यह कैसे आगे बढ़ती गई, इसे भी अदालत के सामने स्पष्ट किया गया। फरार आरोपी कृष्णा आंधळे की भूमिका भी अदालत को बताई गई है। कुछ महत्वपूर्ण गवाहों की पहचान गुप्त रखने की मांग भी न्यायालय से की गई है।

इस केस में जांच अधिकारी और निकम के सहायक वकील ॲड. बालासाहेब कोल्हे ने आरोपियों के वकीलों को आवश्यक सभी दस्तावेज सौंपे हैं। निकम ने बताया कि उनके पास मौजूद सबूतों के अनुसार यह साजिश ८ अक्टूबर २०२४ से शुरू होकर ९ दिसंबर २०२४ को संतोष देशमुख की बेरहमी से हत्या तक चली।

सरकारी पक्ष ने अदालत को बताया कि संगठित अपराध किस तरह फलता-फूलता गया और गैंग लीडर सुदर्शन घुले किस प्रकार मुख्य आरोपी वाल्मीकि कराड के इशारे पर काम कर रहा था। सुनवाई की अगली तारीख १० अप्रैल तय की गई है। उस दिन सरकार की ओर से अदालत में आरोप तय करने (चार्ज फ्रेम) को लेकर याचिका दाखिल की जाएगी, ऐसी जानकारी निकम ने दी।

बीड-मुंबई रेलवे सेवा के लिए सांसद बजरंग सोनवणे ने रेलवे बोर्ड को दिया प्रस्ताव

रेलवे सेफ्टी बोर्डने दी बीड-अहमदनगर मार्ग पर ११० किमी प्रतिघंटा रफ्तार की मंजूरी

बीड, २६ मार्च (प्रतिनिधि) - बीड से अहमदनगर (अहिल्यानगर) के बीच रेलवे ट्रैक पर सुरक्षा परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है और इस मार्ग पर ११० किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से ट्रेन चलाने की अनुमति रेलवे सेफ्टी बोर्ड ने दे दी है। इसके आधार पर बीड-अहमदनगर-मुंबई रेल सेवा शुरू करने का प्रस्ताव सांसद बजरंग सोनवणे ने बुधवार (२६ मार्च) को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार के समक्ष रखा।

नयी दिल्ली में संसद भवन और रेल भवन में हुई बैठक में सांसद सोनवणे ने बीडवासियों की तरफ से यह महत्वपूर्ण मांग रखी कि बीड से पुणे और मुंबई तक सुविधाजनक रेलवे सेवा शुरू की जाए। उन्होंने बताया कि बीड से अहमदनगर का सफर लगभग दो घंटे में पूरा किया जा सकता है, जिसमें अंमळनेर और आष्टी जैसे दो स्टॉप जोड़े जा सकते हैं।उन्होंने सुझाव दिया कि एक १० डब्बों वाली ट्रेन बीड से मुंबई या दादर के लिए चलाई जा सकती है, जो सुबह छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (उडचढ) तक पहुंचे। यह ट्रेन रात की शिर्डी-दादर एक्सप्रेस से जोड़ी जा सकती है, जो अहमदनगर, दौंड, पुणे, लोणावला, कर्जत, कल्याण, ठाणे होते हुए दादर पहुंचती है।

उन्होंने यह भी प्रस्तावित किया कि बीड से चलने वाली ट्रेन में दो सामान्य, दो वातानुकूलित और छह साधारण स्लीपर कोच शामिल किए जाएं, जिन्हें शिर्डी-दादर एक्सप्रेस में जोड़ा जा सकता है। इससे बीड से पुणे और मुंबई के लिए सीधी रेल सेवा संभव हो सकेगी।रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इसके साथ ही सांसद सोनवणे ने बीड-अहमदनगर-पुणे मार्ग पर नियमित इंटरसिटी ट्रेन शुरू करने का सुझाव भी दिया।उल्लेखनीय है कि बीड-अहमदनगर मार्ग की रेलवे चाचणी पूरी हो चुकी है और पालवन क्षेत्र में एक नया रेलवे स्टेशन बनाया गया है। इसके अलावा शहर के नागरिकों ने बार्शी नाका क्षेत्र में एक अतिरिक्त स्टेशन बनाकर वहां ट्रेन को रुकवाने की मांग की है। इस मांग को भी सांसद सोनवणे ने जोर देकर रखा और स्टेशन को शीघ्र कार्यान्वित करने की अपील की।

विधान भवन के सामने पेड़ पर चढ़कर बीड के युवक का अनोखा आंदोलन

हाथ में तिरंगा और बैनर लेकर किया प्रदर्शन, आग बुझाने वाली टीम ने नीचे उतारा

मुंबई, २५ मार्च (प्रतिनिधि) - बीड जिले के युवक ने सोमवार को मुंबई में विधान भवन के बाहर एक पेड़ पर चढ़कर अनोखे अंदाज़ में प्रदर्शन किया। उसके हाथ में तिरंगा झंडा और सेंद्रिय मॉल (ऑर्गेनिक मॉल) की संकल्पना से जुड़ा बैनर था। इस घटना से प्रशासन में खलबली मच गई और पुलिस व फायर ब्रिगेड की टीम को तुरंत मौके पर बुलाया गया। युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के बाद प्रशासन ने राहत की सांस ली।

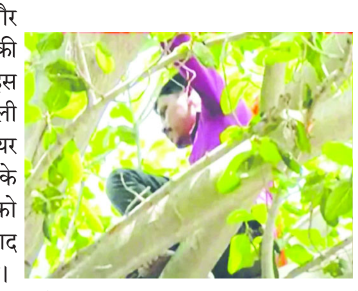

जानकारी के अनुसार, ईश्वर शिंदे नामक युवक, जो बीड तालुका के खापर पांगरी गांव का निवासी है, सोमवार सुबह विधान भवन के बाहर एक पेड़ पर चढ़ गया। उसके हाथ में ऑर्गेनिक मॉल से संबंधित मांग का बैनर और तिरंगा था। जैसे ही यह घटना सामने आई, मौके पर पुलिस पहुंची और फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। जवानों ने सीढ़ी लगाकर युवक को नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन उसने उतरने से इनकार कर दिया।

करीब आधे से तीन-चौथाई घंटे तक यह ड्रामा चलता रहा। पेड़ पर युवक के चढ़ने से मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई, जिससे यातायात में भी बाधा उत्पन्न हुई।

बाद में कृषि विभाग के अधिकारी भी सीढ़ी के सहारे पेड़ पर चढ़े और युवक को समझाने का प्रयास किया, लेकिन युवक ने स्पष्ट कहा कि जब तक उसे लिखित आश्वासन नहीं दिया जाएगा, वह नीचे नहीं उतरेगा। अंततः बीजेपी विधायक अनुप अग्रवाल खुद क्रेन से पेड़ के पास पहुंचे और कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ युवक से बातचीत की। काफी प्रयासों के बाद समाधान निकला और युवक नीचे उतर आया। इस तरह का अनोखा प्रदर्शन करने वाला युवक बीड के खापर पांगरी का निवासी ईश्वर शिंदे है, जिसकी पहचान बाद में सामने आई।

शेख निज़ाम जाएंगे राष्ट्रवादी में

२ अप्रेल को अजीत पवार होंगे ईद मिलन प्रोग्राम में शरिक।

बीड़, २५ (प्रतिनिधि): शिवसेना (उद्धव) छोड़कर बीड़ में समाजिक क्षेत्र में जाना-पहचाना नाम शेख निज़ाम, शहराध्यक्ष, यह राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजित पवार गुट) में प्रवेश करने जा रहे हैं, ऐसी जानकारी सामने आई है। पूर्व विधायक अमर सिंह पंडित के मार्गदर्शन में वे जल्द ही प्रवेश करने वाले हैं।

बीड़ शहर के शेख निज़ाम ने अनेक वर्षों तक सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में कार्य किया है। पहले वे एमआईएम पार्टी में थे और उस पार्टी के टिकट पर नगर परिषद अध्यक्ष का चुनाव भी लड़ चुके हैं और मामुली वोटों के फर्क से जीत से दूर रहें ।। बाद में उन्होंने शिवसेना में प्रवेश किया। शिवसेना(ठाकरे)में कार्य करते हुए उन्हें संगठन का प्रमुख बनाया गया था।

अब वे शिवसेना को छोड़ कर राष्ट्रवादी में शामिल होने जा रहे हैं है। जिससे अजीत पवार गट कि मुस्लिम समाज में ताकत बढ़ सकती हैं, शेख निजाम ने एजूकेशन संस्था , बिल्डर शिप के माध्यम से भी अपने नजदीक कारकुनान कि टिम तैयार कर रखी है , जो उनके समाजिक कामों में पेश पेश रहेती है , हाल हि में उन्होंने ने सालार जंग शहीद मस्जिद के लिए रास्ता वक्फ करके समाज में चाहत पैदा कि है। खबर है कि २ अप्रेल को उपमुख्यमंत्री अजित पवार शेख़ निजाम कि जानिब से आयोजित किए गए ईद मिलन प्रोग्राम में शिरकत कर रहे हैं.

यह अधिवेशन कब्र से लेकर कमरे तक ही सीमित रहा-जयंत पाटील की सरकार पर तीखी आलोचना

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई:

यह अधिवेशन सिर्फ कब्र से लेकर कमरे तक ही सीमित रहा, इसके अलावा इसमें कुछ भी नहीं हुआ, इस तीखे शब्दों में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के प्रदेशाध्यक्ष और विधायक जयंत पाटील ने महायुती सरकार की कड़ी आलोचना की।

बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा का बजट सत्र समाप्त हुआ। इसके बाद विधान भवन के पत्रकार कक्ष में जयंत पाटील मीडिया से बात कर रहे थे। इस दौरान शिवसेना (ठाकरे गुट) के भास्कर जाधव, कांग्रेस नेता नाना पटोले और डॉ. जितेंद्र आव्हाड भी मौजूद थे।

जयंत पाटील ने विधानसभा की कार्यवाही पर नाराजगी जताते हुए कहा, मंत्री इस्तीफा देते हैं, लेकिन सदन में इसकी कोई जानकारी नहीं दी जाती। मैं पिछले ३६ वर्षों से विधिमंडल में हूं, लेकिन ऐसा दृश्य कभी नहीं देखा। यह सदन के सदस्यों का अधिकार है, लेकिन संविधान पर चर्चा करने के बावजूद संविधान को बार-बार पैरों तले रौंदा जा रहा है। अपनी सुविधा के अनुसार ही मुद्दों को उठाया जाता है, अधिकारियों पर एसआईबी तैनात कर उन्हें निलंबित करना यही अब सामान्य हो गया है। एक दिन में तीन ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर्याप्त होते हैं, लेकिन अब यह संख्या तीस से भी अधिक हो गई है, जिससे इन प्रस्तावों का महत्व घट गया है। अगर ऐसा ही चला, तो अगले सत्र में प्रतिदिन ५० ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आना भी हैरानी की बात नहीं होगी।

उन्होंने कहा, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव उन्हीं घटनाओं पर होना चाहिए जो हाल ही में हुई हों, लेकिन अब ८-१० साल पुरानी घटनाओं पर भी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाकर जवाब मांगा जा रहा है। अगर ऐसा चलता रहा तो लोग विधानसभा को 'ध्यानाकर्षण सभा' कहने लगेंगे।

विपक्ष के नेता पद को लेकर सरकार पर हमला

जयंत पाटील ने कहा, हमने कांग्रेस की विशाल बहुमत वाली सरकारें देखी हैं, लेकिन कभी भी विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास नहीं हुआ। लेकिन इस सरकार ने अब तक विपक्ष के नेता की नियुक्ति नहीं की। यह कहा जा रहा है कि विपक्ष का नेता बनने के लिए कम से कम १०% सदस्य जरूरी हैं, जबकि यह पूरी तरह झूठा दावा है। यह एक फर्जी नैरेटिव तैयार करने की कोशिश है।

जयंत पाटील ने कहा कि इन नेताओं ने कम विधायकों के साथ भी प्रभावी रूप से अपनी भूमिका निभाई, इसलिए आज के समय में विपक्ष की आवाज दबाना अनुचित है।

अधिवेशन का समापन और भविष्य की झलक

इस अधिवेशन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच कई मुद्दों पर टकराव देखने को मिला। जयंत पाटील की इस तीखी आलोचना से यह साफ है कि विपक्ष आगामी सत्रों में और मुखर होकर सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है। अधिवेशन के समापन के समय उठाए गए उनके मुद्दे अब चर्चाओं का केंद्र बन गए हैं।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

१२ महत्वपूर्ण विधेयक पारित; बजट पर हुई सकारात्मक चर्चा-मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई:

महाराष्ट्र विधानमंडल के बजट सत्र के दौरान कुल १२ महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए, और प्रतिदिन औसतन ९ घंटे सदन की कार्यवाही चली। राज्य के समक्ष मौजूद अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई, और सरकार ने सभी चर्चाओं पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। यह जानकारी मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार देर रात बजट सत्र के समापन के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि विपक्ष को भी अपने मुद्दे उठाने का पूरा अवसर दिया गया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे, अन्य पिछड़ा बहुजन कल्याण मंत्री अतुल सावे और राज्य मंत्री आशीष जयस्वाल भी उपस्थित थे।

फडणवीस ने बताया कि इस सत्र में पारित किए गए महत्वपूर्ण विधेयकों में माथाडी कामगार कानून में संशोधन विधेयक भी शामिल है, जिसके जरिए फर्जी माथाडी और ब्लैकमेलिंग पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है। महाराष्ट्र निजी सुरक्षा गार्ड विधेयक और विनियोग विधेयक सहित कई अन्य प्रमुख विधेयकों को भी मंजूरी दी गई है।

उन्होंने बताया कि इस सत्र में संविधान पर विशेष चर्चा की गई, और बजट कृषि, उद्योग, आधारभूत संरचना, रोजगार और सामाजिक विकास जैसे पंचसूत्रीय आधार पर प्रस्तुत किया गया है, जो महाराष्ट्र के विकास को नई गति देगा।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सभी कल्याणकारी योजनाओं को जारी रखते हुए बजट ऐसा प्रस्तुत किया गया जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था पर असर न पड़े। १३ करोड़ जनता के विकास को ध्यान में रखते हुए उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री अजित पवार ने बहुत अच्छा बजट पेश किया है।

उन्होंने कहा कि एक ओर विकास परियोजनाएं और दूसरी ओर कल्याणकारी योजनाओं को आमजन को केंद्र में रखकर आगे बढ़ाया जा रहा है। दावोस में आयोजित सम्मेलन में १५ लाख करोड़ रुपये के निवेश समझौते किए गए हैं। स्टार्टअप क्षेत्र में महाराष्ट्र अग्रणी है, और अन्य राज्यों की तुलना में राज्य पर कर्ज का बोझ भी कम है। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए १०० दिनों के कार्य लक्ष्य को सभी विभागों ने सफलतापूर्वक पूरा किया है।

विपक्ष के दिमाग में सिर्फ कब्र और कमरा - फडणवीस का तंज

विपक्ष द्वारा अधिवेशन को लेकर की गई आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, विकास के लिए कई योजनाओं वाला बजट पास किया गया है जिससे प्रगति को गति मिलेगी। अध्यक्ष पर हमारा कोई दबाव नहीं है। यह प्रश्न आप उनसे पूछें। हर दिन ६ घंटे काम होना चाहिए, लेकिन हमने ९ घंटे काम किया। विपक्ष के दिमाग में सिर्फ कब्र और कमरा है, उसमें हम क्या कर सकते हैं?

मुंडे मामले में जो संभव था, वह किया गया धनंजय मुंडे प्रकरण पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने पहले ही साफ शब्दों में कहा है कि नाराज होने का कोई कारण नहीं है। हम कानून के अनुसार ही चलते हैं और जो कानून में था वही किया गया है। अगर विपक्ष लक्ष्यवेधी प्रस्ताव रखना चाहता है तो रखे, लेकिन वे प्रस्ताव मापदंडों के अनुरूप होने चाहिए। बिना प्रमाण के बातें करना सही नहीं है। अगर कार्यवाही को सही दिशा देनी है तो सब कुछ नियमों के अनुसार ही होना चाहिए। कोई कानून बिना चर्चा के पारित नहीं किया गया है।

बालेपीर में रोज़ा इफ्तारी का आयोजन, हिंदू भाइयों ने पेश की गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल

बीड़ प्रतिनिधि:

पवित्र रमज़ान का महीना पूरे देश और राज्य में चल रहा है। एक ओर जहां कुछ राजनेता धार्मिक और जातीय नफरत फैलाकर समाज में फूट डालने और अपनी राजनीतिक रोटियाँ सेंकने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं आम जनता भी उतनी ही जिम्मेदार है जो इन नेताओं के झूठे प्रलोभनों में आ जाती है।

ऐसे विषाक्त माहौल में भी देशभक्ति, भाईचारा और दूसरे समुदायों के प्रति प्रेम, अपनापन और सौहार्द देखने को मिल रहा है। बीड़ शहर के बालेपीर इलाके में हिंदू भाइयों द्वारा रोज़ा इफ्तारी का आयोजन कर गंगा-जमुनी तहज़ीब की अनूठी मिसाल पेश की गई। इस इफ्तारी कार्यक्रम में हिंदू और मुस्लिम - दोनों समुदायों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए।

इस सुंदर पहल के लिए सभी लोगों ने आयोजकों का धन्यवाद व्यक्त किया, जिनमें लांडकमारे सर, भोंडवे गुरुजी, शहाणे मामा, वसंत गुरुजी, तावरे मामा, सोनसळे साहब, मस्जिद कमेटी के अमीर शेख महमूद, सदर इमरान फारूकी, सचिव इलियास इनामदार, नदीम मेंबर, शेख अकबर, सैय्यद खदिर, सरफराज काज़ी, फारूक शेख आदि शामिल हैं।

महादेव मुंडे हत्या मामले में तीसरी बार बदला गया जांच अधिकारी

सिर्फ एक महीने में तीसरी बार जांच अधिकारी में बदलाव, लोगों में आश्चर्य

बीड, २६ मार्च (प्रतिनिधि) - व्यापारी महादेव मुंडे की हत्या के मामले में एक बार फिर जांच अधिकारी को बदला गया है। पिछले एक से डेढ़ महीने के भीतर यह तीसरा बदलाव होने के कारण आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है।

शुरुआत में इस केस की जांच अपराध शाखा के पास थी। इसके बाद यह जांच गेवराई के पुलिस उपअधीक्षक श्री. राजगुरु को सौंपी गई थी। फिर हाल ही में अंबाजोगाई के पुलिस उपअधीक्षक अनिल चोरमले को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया था। लेकिन कुछ ही घंटों में एक बार फिर जांच अधिकारी को बदल दिया गया है। अब इस प्रकरण की जांच केज के सहायक पुलिस अधीक्षक कमलेश मीणा करेंगे।

इस तरह केवल एक महीने के भीतर इस संवेदनशील हत्याकांड में तीन बार जांच अधिकारी बदले गए हैं। गौरतलब है कि महादेव मुंडे की पत्नी ने इस मामले की गहन जांच की मांग को लेकर बीड जिलाधिकारी कार्यालय के सामने उपवास किया था। शुरू में पूर्व विधायक सुरेश धस ने भी इस प्रकरण को लगातार उठाया था। हालांकि, जांच को लेकर कई सवाल खड़े किए गए, जिसके चलते बार-बार जांच अधिकारियों का तबादला करना सरकार की मजबूरी बन गई। फिलहाल इस मामले में अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

सुपारी लेकर आलोचना कर रहे हैं कुणाल कामरा-एकनाथ शिंदे

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई :

हास्यकलाकार कुणाल कामरा का गीत एक प्रकार का स्वैराचार और व्यभिचार है। उन्होंने किसी की सुपारी लेकर यह सब किया है, ऐसी प्रतिक्रिया महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दी है।

दरअसल, कुणाल कामरा ने शिवसेना में हुई फूट पर एक व्यंगात्मक गीत प्रस्तुत किया था, जो इन दिनों देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह गीत सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद शिंदे गुट के समर्थक आक्रोशित हो गए। जिन होटल में कामरा का शो आयोजित किया गया था, वहां के सेट को तोड़फोड़ का निशाना बनाया गया। साथ ही, कामरा के खिलाफ मामला दर्ज कर मुंबई पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए समन भेजा है। वहीं, शिंदे गुट के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उन्हें सबक सिखाने की चेतावनी भी दी है।

इस पूरे विवाद पर कुणाल कामरा ने स्पष्ट किया है कि वह एकनाथ शिंदे से माफी नहीं मांगेंगे और जो भी फैसला अदालत करेगी, वह उसका पालन करेंगे। ऐसे में यह मामला आने वाले कुछ दिनों तक सुर्खियों में बना रह सकता है।

अब तक उपमुख्यमंत्री शिंदे ने इस विषय पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी, लेकिन अब एक वेब पोर्टल से बातचीत में उन्होंने पहली बार इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और कामरा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा, पिछले ढाई सालों से मुझ पर निरंतर आरोप लगाए जा रहे हैं, लेकिन मैं आरोपों का जवाब काम के जरिए देता हूं। जनता ने हमें काम के आधार पर वोट देकर विजयी बनाया। जिन्होंने हम पर पार्टी और चुनाव चिन्ह चुराने का आरोप लगाया, उन्हें मैं पूछना चाहता हूं कि राज्य का असली गद्दार कौन है? राज्य की जनता ने हमें बहुमत दिया, ८० में से ६० सीटें हमें मिलीं जबकि उन्हें सिर्फ २० सीटें मिलीं।

शिंदे ने आगे कहा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जरूरी है, हम व्यंग्य को समझ सकते हैं। कई कवि व्यंग्य किया करते थे। लेकिन कामरा का यह गीत स्वैराचार और व्यभिचार जैसा है। यह किसी की सुपारी लेकर बोलने जैसा है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर भी निशाना साधा है। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि किसी की सुपारी लेकर किया गया कृत्य है। हालांकि, शिंदे ने होटल में हुई तोड़फोड़ का समर्थन नहीं किया, लेकिन इसे कार्यकर्ताओं की भावना बताया।

शाहीन संस्थान, बीदर में पढ़ रहे १८६ हाफ़िज़ छात्रों ने रमज़ान के महीने में तरावीह की नमाज़ में सुनाया कुरआन, शानदार सम्मान समारोह का आयोजन

बीदर संवाददाता

शाहीन संस्थानों, बीदर में शिक्षा प्राप्त कर रहे १८६ हाफ़िज़-ए-कुरआन छात्रों ने पवित्र रमज़ान के महीने में तरावीह की नमाज़ में मुकम्मल कुरआन मजीद सुनाकर इस्लामी समाज में एक अहम धार्मिक सेवा अंजाम दी। इस उपलक्ष्य में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें इन छात्रों की हौसलाफज़ाई और उनकी मेहनत की सराहना की गई।

इस अवसर पर धार्मिक, शैक्षणिक और समाजी शख्सियतों ने छात्रों को मुबारकबाद दी और कहा कि यह बच्चे ना सिर्फ अपने परिवार का बल्कि पूरे समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। कार्यक्रम में छात्र, शिक्षक, अभिभावक और स्थानीय गणमान्य लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे।

इस तरह के आयोजनों से छात्रों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है और धार्मिक तालीम की अहमियत भी उजागर होती है। इस मौके पर इदारे के चेयरमैन डॉ अब्दुल कदीर ने हाफेज साहेबान और उन के परिवार वालों को मुबारक बाद पेश कि।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com
daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharash-tra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com